एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी w.e.f 2017-18

प्रथम प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
तृतीय प्रश्न पत्र	:	साहित्यशास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएं)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी w.e.f 2018-19.

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (नाटक, निबन्ध एवं आलोचना)
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	आधुनिक काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	भाषा विज्ञान
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)
पंचम प्रश्न पत्र	:	साहित्यिक निबन्ध
		अथवा
		लघु शोध प्रबन्ध

(पूर्वार्द्ध में 55प्रतिशत या इससे अधिक अंक पाने वाले नियमित विद्यार्थियों के लिए)

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

Helpstudentpoint.com

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र:–प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक: 100

पाठ्यांश:

1. चन्द बरदायी– 'पृथ्वीराज रासो' से पद्मावती समय

2. कबीर– 'कबीर' सं. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
   पद सं.
   1,2,5,10,11,12,14,22,35,42,49,55,57,66,68,69,70,76,87,94,104,108,112,130,134,140,141,153,156,160,162,163,165,166,168,173,183,199,250 कुल 40 पद

3. जायसी–
   'जायसी ग्रन्थावली' सं. रामचन्द्र शुक्ल,
   बारहमासा वर्णन, नखशिख वर्णन, नागमती वियोग खण्ड

4. सूरदास–
   'भ्रमरगीत सार' सं. रामचन्द्र शुक्ल
   पद सं. 164 से 214, 50 पद

5. तुलसीदास–
   'रामचरित मानस' – उत्तरकांड, गीता प्रेस, गोरखपुर

6. घनानन्द–
   'घनानन्द कवित्त' सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
   पद सं. 1–25, 25 पद

7. बिहारी–
   'बिहारी रत्नाकर–सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
   दोहा
   संख्या–1,6,7,12,25,28,32,34,38,41,42,45,55,61,66,71,73,75,89,92,93,101
   102,103,106,109,110,117,121,127,140,142,148,157,167,171,181,192,
   205,207,217,225,238,251,255,256,262,269,285,294,295,300,310,317,
   322,331,347,351,357,363,364,371,373,378,381,388,390,406,408,411,
   413,417,419,425,426,427,432,434,435,,442,461,470,472,481,488,489,4
   90, 496,501,515,516,518,521,538,554,584,588,611,636,646

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्या — 4 x 10 = 40

प्रत्येक कवि से एक व्याख्या पूछी जाएगी। विकल्प देय।

कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न — 04 x 10 = 40

कुल दो लघूत्तरात्मक प्रश्न — 02 x 05 = 10

दस अति लघूत्तरात्मक प्रश्न — 10 x 01 = 10

सभी प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथः—

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
2. कबीर—विजेन्द्र स्नातक
3. कबीर साहित्य की परख — गोविन्द त्रिगुणायत
4. जायसी— विजयदेव नारायण साही
5. पद्मावत में काव्य संस्कृति और दर्शन—डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6. भ्रमरगीत — डॉ. शंकरदेव अवतरे
7. सूरदास — ब्रजेश्वर वर्मा
8. अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय — डॉ. दीनदयालु गुप्त
9. तुलसी — डॉ. उदयभानु सिंह
10. गोस्वामी तुलसीदास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
11. बिहारी — बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
12. बिहारी का नयामूल्यांकन — डॉ. बच्चन सिंह
13. स्वच्छंद काव्य धारा और धनानन्द— डॉ. मनोहर लाल गौड़
14. आनन्दघन — डॉ. रामदेव शुक्ल
15. उत्तरी भारत की संत परंपरा —परशुराम चतुर्वेदी
16. हिन्दी काव्य में निर्गुण संप्रदाय — डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

Helpstudentpoint.com

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्रः–हिन्दी साहित्य का इतिहास

समयः 3 घण्टे पूर्णांकः 100

पाठ्यांशः

प्रथम इकाईः– हिन्दी साहित्य इतिहास के लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्यधाराएं–सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

द्वितीय इकाईः–मध्यकाल भक्ति आंदोलन, उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी संत काव्य– वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य प्रमुख संत कवि–कबीर, नानक, दादू, रैदास, रज्जब, तथा जम्भनाथ।

हिन्दी सूफी काव्य– वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य, प्रमुख सूफी कवि–मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन तथा जायसी।

हिन्दी कृष्ण काव्य– वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य।

प्रमुख कवि– सूरदास, नन्ददास, मीरा, रसखान।

हिन्दी राम काव्य– वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य।

तृतीय इकाईः– रीतिकाल नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध) रीतिकाल के प्रमुख कवि–केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द तथा पद्माकर।

चतुर्थ इकाईः– आधुनिक काल का काव्य– 1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेंदु और उनका मण्डल। द्विवेदी युग– महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएं–छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

पंचम इकाईः–आधुनिक काल का गद्य साहित्यः– उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाएं– संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि का उद्भव एवं विकास।

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

Helpstudentpoint.com

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से एक निबन्धात्मक प्रश्न	–	5 x 12 = 60
प्रत्येक इकाई से एक लघूत्तरात्मक प्रश्न	–	05 x 04 = 20
प्रत्येक इकाई से दो अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	–	10 x 02 = 20

सभी प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथः–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहासः आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास डॉ. नगेन्द्र
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4. हिन्दी साहित्य आलोचनात्मक इतिहासः डॉ. रामकुमार शर्मा
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग): विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहासः बच्चन सिंह
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकासः रामस्वरूप चतुर्वेदी

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्रः–साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पश्चात्य)

समयः 3 घण्टे पूर्णांकः 100

पाठ्यांशः

प्रथम इकाईः–साहित्य की परिभाषा, साहित्य की प्रमुख विधाओं के सैद्धान्तिक स्वरूप और विवेचना– प्रबन्धकाव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तक काव्य(गीति काव्य, प्रगीतिकाव्य) उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, रेखाचित्र, सस्मरण, रिपोर्ताज।

द्वितीय इकाईः–भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्यशास्त्र के विविध सम्प्रदाय : रस, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।

तृतीय इकाईः– पाश्चात्य काव्यशास्त्र – प्लेटो, अरस्तू, लौंजाइनस, कॉलरिज, क्रोचे, मार्क्स, सार्त्र और आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त।

चतुर्थ इकाईः–हिन्दी के प्रमुख आलोचक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

पंचम इकाईः–अलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक)
हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास
हिन्दी का आलोचना शास्त्र – पाठालोचन, सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा।

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

Hotstudentpoint.com

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से एक निबन्धात्मक प्रश्न	—	5 x 12 = 60
प्रत्येक इकाई से एक लघूत्तरात्मक प्रश्न	—	05 x 04 = 20
प्रत्येक इकाई से दो अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	—	10 x 02 = 20

सभी प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथः—

1. साहित्यालोचन : श्यामसुन्दर दास
2. काव्यशास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र
3. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
7. समीक्षालोक : डॉ. भागीरथ मिश्र
8. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायात
9. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
10. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी।

Helpstudentpoint.com

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्रः–हिन्दी गद्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएं)

समयः 3 घण्टे   पूर्णांकः 100

पाठ्यांशः

1. गोदान : प्रेमचन्द
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. स्मृति लेखा : (भारत कोकिला : सरोजिनी नायडू और कवि वत्सला होमवती देवी शीर्षक पाठों को छोड़कर): 'अज्ञेय'
4. निर्धारित आधुनिक कहानियाँ :

जिन्दगी और जोंक	–	अमरकान्त
खोई हुई दिशाएँ	–	कमलेश्वर
परिन्दे	–	निर्मल वर्मा
तीसरी कसम	–	फणीश्वरनाथ रेणु
चीफ की दावत	–	भीष्म साहनी
यही सच है	–	मन्नू भण्डारी
एक और जिन्दगी	–	मोहन राकेश
जहाँ लक्ष्मी कैद है	–	राजेन्द्र यादव
प्रेत मुक्ति	–	शैलेश मटियानी
हंसा जाई अकेला	–	मार्कण्डेय
कोसी का घटवार	–	शेखर जोशी
विनाशदूत	–	मृदुला गर्ग
फुलवा	–	रतन कुमार सांभरिया
पालगोमरा का स्कूटर	–	उदय प्रकाश

5. कलम का सिपाही – अमृतराय (व्याख्या नहीं पूछी जायेगी)

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प देय)	–	4 x 10 = 40
कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (गोदान, बाणभट्ट की आत्मकथा, कहानियां, कलम का सिपाही) प्रत्येक से एक प्रश्न	–	04 x 10 = 40
कुल दो लघूत्तरात्मक प्रश्न	–	02 x 05 = 10
दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	–	10 x 01 = 10

सभी प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प देय

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

संगीता

अनुशंसित ग्रंथः–

1. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमलकिशोर गोयनका
2. गोदान : गोपालराय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : संपादक भीष्म साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव
6. मन्नू भण्डारी का कथा साहित्य : गुलाबराव हाड़े
7. नई कहानी : संवेदना और शिल्प : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र तिवारी
9. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : डॉ. रामदरश मिश्र
10. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव
11. प्रतिनिधि कहानियाँ : स्वयंप्रकाश
12. कहानी : नई कहानी : डॉ. नामवर सिंह
13. कथाकार मन्नू भण्डारी : अनीता राजूरकर

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

Helpstudentpoint.com